

दिया गया है। इस प्रकार से नामान्तकरण जल्दबाजी में तस्दीक किया गया है। हम अपील अपीलान्त के कथनों से सहमत हैं।

अतः अपील अपीलान्त स्वीकार की जाती है। तथा नामान्तकरण संख्या 434 निर्णय दिनांक 21.02.2017 वाले ग्राम गुढापोल पटवार मण्डल लहचोडा तहसील हिण्डौन जिला करौली का अपास्त किया जाता है। तथा तहसीलदार हिण्डौन को इस निर्देश के साथ रिमाण्ड किया जाता है कि पक्षकारों को सुनवाई हेतु सूचना जारी करते हुए ग्राम पंचायत मुख्यालय के मजमेंआम में वारिसान की जाँच करते हुए 60 दिवस में गुणावगुण के आधार पर निर्णय पारित करें। निर्णय की प्रति तहसीलदार हिण्डौन को भिजवाई जावे।

निर्णय आज दिनांक 24.12.2019 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया ।

(सुदर्शन सिंह तोमर)  
अतिरिक्त जिला कलक्टर  
करौली

# न्यायालय अति. जिला कलक्टर करौली(राज0)

पीठासीन अधिकारी सुदर्शनसिंह तोमर आर.ए.एस

मुकदमा नम्बर 05/017

आर. सी. एम. एस नं0 2017/00011

तारीख रजू 06.04.2017

सत्यनारायण पुत्र मूलचन्द जाति ब्राहामण निवासी जोगी पाडा कस्बा टोडाभीम जिला करौली

:—निगरानीगुजार

बनाम

नगरपालिका टोडाभीम जरिये अधिशाषी अधिकारी , नगरपालिका टोडाभीम जिला करौली  
— अप्रार्थी

निगरानी विरुद्ध आदेश अदालत मातहत अधिशाषी अधिकारी,  
टोडाभीम तहसील टोडाभीम व मुकदमा उनवानी सत्यनारायण  
बनाम नगरपालिका टोडाभीम पत्रावली क्रमांक न. पा. टो. 2016

ख. नं. 2606 आदेश तारीख 14.02.2017

उपस्थिति:— 1 श्री अशोक नीमनका वकील निगरानीगुजार

2 श्री सुरेश चन्द शर्मा वकील अप्रार्थी

निर्णय

दिनांक:— 24.12.2019

वाक्यात इस प्रकार है कि वकील वकील निगरानीगुजार ने निगरानीगुजार की ओर से एक निगरानी अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका टोडाभीम के आदेश दिनांक 14.02.2017 से नाखश होकर पेश कर निवेदन किया है कि साविक खसरा नं. 894 रकवा 2 वीघा वाके ग्राम कस्बा टोडाभीम मे स्थित है। जिसका हाल खसरा नं. 2606 रकवा 50 ऐयर भू—प्रबंध विभाग द्वारा कायम किया गया हैं विवादित भूमि आवादी के मध्य आ जाने के फलस्वरूप खातेदार मुसम्मात गंगा कवर वेवा केशरीसिंह व जयसिंह पुत्र निहालसिंह की खातेदारी सम्बन्त 2037 से 40 की जमाबंदी मे हिस्सा बराबर के होने पर उक्त खातेदारान में जिनके दो अलग—अलग सयुक्त हिन्दू परिवार रहे है। गंगा कवर के तीन पुत्र गजराजसिंह, भागीरथ ओर शिवराम जिनमे से गजराज कि मृत्यु होने पर उसकी वेवा पान कवर है। जयसिंह जीवित है। दोनो ही परिवारो का भूमि विवादग्रस्त मे हिस्सा बराबर रहा है जिसके चलते हुए दोनो परिवारो ने आराजी खसरा नं. 894 रकवा 2 वीघा में आवासीय भूखण्ड बना—बनाकर दीगर लोगो को वेचान कर कब्जा करा दिये गये है। जिनके पुख्ता मकानात भी बन गये है। मगर अब मृतक गजराजसिंह की वेवा पान कवर जमीन खरीद फरोख्त के धन्धे के आ गई है जिनके कुछ असामाजिक लोग जो क्षेत्र के भू—माफिया है से सम्बंध होने के कारण ऐन—बेन विक्रीत जमीनो को गरीब क्रेताओ से हडपने के लिए प्रयासरत है जिन्होने कस्बा टोडाभीम मे तैनात प्रशासन से भी साज किया हुआ है प्रार्थी द्वारा जयसिंह से एक आवासीय भूखण्ड जो पूर्व तरफ 40 फिट पश्चिम 85 फिट उत्तर व दक्षिण 215 फिट दिनांक 06.11.1987 को मुबलिंग 4000 रूपये से खरीद किया है तथा जिसकी लिखा पढी स्टाम्स कीमतन 7 रूपये व एक सादा कागज पर उक्त जयसिंह द्वारा वहक प्रार्थी की है। तथा दुसरा भूखण्ड उक्त आराजी खसरा नं. 894 से बिक्रेता वीरसिंह ,जयसिंह , रघुनाथसिंह पिसरान निहालसिंह से 40 गुणा 80 वर्गफिट का मुगलिंग 10500 रूप्ये मे दिनांक 18.03.1984 को खरीद कर कब्जा प्राप्त किया है मौके पर प्रार्थी का रियास कब्जा है। मकान तामील व कुछ भाग में हो चुका है। और योम दायरी खरीद से प्रार्थी का उक्त रिहायशी भूखण्ड एक दूसरे से मिले हुए है। उनका उपयोग उपभोग करता चला आ रहा है। प्रार्थी द्वारा उक्त भूखण्ड खरीद के बाद खसरा नं. 894 जिसका नवीन नम्बर 2606 बना है जिसमें सम्पूर्ण में आबादी हो जाने पर सरकार के आदेशानुसार खातेदारी समाप्त की जाकर नामान्तकरण संख्या 315 दिनांक 26.08.2001 को धारा 90 बी राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत किस्म परिवर्तन कर नगरपालिका टोडाभीम के नाम खातेदारी मे दर्ज कर दी गई जिसके आवासीय पट्टे नियमानुसार प्राप्त करने का अधिकार प्रार्थी को है। प्रार्थी द्वारा

उक्त दोनो भूखण्ड आवासीय के 5 पट्टे अलग-अलग बनवाने बावत पत्रावलियाँ प्रस्तुत करने पर पट्टे जारी करने की कार्यवाही करने से पूर्व तथा निर्माण स्वीकृति जारी करने से पूर्व नगरपालिका टोडाभीम द्वारा अखबारशाया प्रकाशित बावत आपत्ति हेतु जारी किया गया था जिनकी आपत्ति नगर पालिका में दिनांक 03.01.2017 नियत की गई थी जिस पर मुसम्मात पान कवर बेवा गजराजसिंह, वीरसिंह पुत्र निहालसिंह जिसकी मृत्यु दिनांक 25.02.2016 को हो जाने के बाद पूर्व के बेचान के इकरारनामा को गलत बताते हुए आपत्तियाँ प्रस्तुत की क्योंकि उक्त पान कवर व वीरसिंह का कस्बा करौली में कुछ असामाजिक तत्व व भूमाफिया लोगो से संबंध होने के कारण तथा लोभ स्वयं भी अवैधानिक गतिविधियो मे लिप्त होने के कारण नगरपालिका के कुछ कर्मचारियो से साझ कर प्रार्थी की पट्टे की पत्रावलियो को उलझा रखा है तथा निर्माण स्वीकृति का प्रार्थनापत्र दिनांक 14.02.2017 को निरस्त कर दिया गया है जिसमें यह है कि मातहत द्वारा दोनो स्टाम्प की खरीद की वैल्यू को देखे विना पान कवर व वीरसिंह आदि के कन्डक्ट को जानते हुए कि दोनो द्वारा की गई कार्यवाही गलत व फर्जी है प्रार्थी के मौके पर हो रहे निर्माण कब्जा रिहायस सम्पूर्ण तथ्यो को नजरअंदाज फरमाते हुए निर्माण स्वीकृति अस्वीकार फरमाकर भारी भूल की है। मौके पर प्रार्थी की दुकानात् निर्माण हो गई है जो किराये पर चल रही है और उनका किरायानामा लिखे हुए है। अन्त में निगरानी अन्दरम्याद पेश कर निवेदन है कि निगरानी स्वीकार फरमाते हुए मातहत अदालत नगरपालिका टोडाभीम का निर्णय दिनांक 14.02.2017 को अपास्त फरमाया जाकर निर्माण स्वीकृति दिलाये जाने के आदेश फरमाये जावे।

निगरानी दर्ज पंजिका कर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलव कर अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली प्राप्त की गई।

उभयपक्षकार अभिभाषको की बहस सुनी तथा पत्रावली का अवलोकन किया।

वकील अपीलान्ट/ निगरानीगुजार ने अपने बहस कथन में अपील मीमो को दोहराते हुए कथन कहा है कि सम्वंत 2037 से 40 के खातेदार मुसम्मात गंगा कवर वेवा केसरीसिंह व जयसिंह पुत्र निहाल सिंह के नाम बराबर-बराबर खातेदारी होने पर भूमि खसरा नं. 894 रकवा 2 वीघा में से आवासीय भूखण्ड मृतक गजराजसिंह की बेवा पान कवर एवं जयसिंह से खरीद किया गया था जिसकी लिखापडी तत्समय स्टाम्प पर कराई गई थी साथ ही इन खातेदारो का सम्पूर्ण आराजी आवासीय में हो जाने पर राज0 सरकार ने वर्ष 2001 मे खातेदारी अधिकार समाप्त करते हुए नगरपालिका की खातेदारी मे दर्ज कर दी गई प्रार्थी तभी से इस आराजी पर रहवास कर निवास कर रहा है प्रार्थी द्वारा इन भूखण्डो पर निर्माण स्वीकृति एवं पट्टा लेने हेतु 5 पत्रावली नगरपालिका मे लगाई गई थी जिसमे बिना जॉच करे ही एक प्रार्थनापत्र पर ये सभी पत्रावलियाँ निरस्त कर दी गई है। अपील अपीलान्ट स्वीकार फरमाई जावे।

वकील रेस्पोजेण्ट ने अपने बहस कथन में कथन कहा कि निर्माण एवं पट्टा जारी करने से पूर्व आपत्ति करने हेतु आम खास को एक सूचना जारी की गई थी जिसमे पान कवर बेवा गजराजसिंह द्वारा आपत्ति की जाने पर पक्षकारों को सुनने के बाद पत्रावली विधि अनुसार निरस्त की गई है। अपील/निगरानी खारिज फरमाई जावें।

हमने अभयपक्ष अभिभाषकगणों की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली मे उपलब्ध रिर्कोर्ड एवं अधीनस्थ न्यायालय से प्राप्त पत्रावली का अवलोकन करने पर पाया गया कि प्रार्थी/अपीलान्ट ने भवन निर्माण स्वीकृति हेतु एक आवेदन पत्र दिनांक 16.11.2016 को नगरपालिका टोडाभीम के यहाँ पर अपने इकरारनामा के साथ प्रस्तुत किया गया था जिसमें नगरपालिका द्वारा उक्त आवेदन पत्र को दर्ज पंजिका करते हुए आपत्ति सुनने के लिए राजस्थान पत्रिका में दिनांक 28.12.2016 को आमखास को सूचना जारी की गई थी जिसमें नियत तारीख 03.01.2017 थी इस आपत्ति आमंत्रण पत्र मे आपत्ति श्रीमति पान कवर बेवा गजराजसिंह ने पेश की गई थी जिसमें यह जाहिर किया गया कि किसी प्रकार की भूमि का बेचान नही किया गया है। और नगरपालिका ने इन आपत्तिकर्ताओ को सुनने हेतु तलव किया गया जिसमे पान कवर की तरफ से धर्मेन्द्र उपस्थित हुआ उनके द्वारा आवेदक सत्यनारायण पुत्र मूलचन्द शर्मा द्वारा जो निर्माण स्वीकृति चाही गई है जो दस्तावेज कूटरचित आधार पर

